

GRUNDLAGEN UND GEDANKEN ZUM VERSTÄNDNIS
DES DRAMAS

FRIEDRICH SCHILLER:
MARIA STUART

HANS PETER HERRMANN
und
MARTINA HERRMANN

VERLAG MORITZ DIESTERWEG

Frankfurt am Main ö ...• <<❖

Inhalt

| | | |
|-------|---|-----|
| 1 | <i>Allgemeine Grundlagen</i> | 5 |
| 1.1 | Daten und Dokumente zur Entstehung von „Maria Stuart“ | 5 |
| 1.2 | Literarhistorische Voraussetzungen | 15 |
| 1.3 | Literatursoziologische Voraussetzungen | 24 |
| 1.4 | Zur Geschichte des Maria-Stuart-Stoffes | 28 |
| 2 | <i>Erläuterungen</i> | 31 |
| 2.1 | Die historischen Daten | 31 |
| 2.2 | Wort- und Sachkommentar | 36 |
| 3 | <i>Struktur des Textes</i> | 45 |
| | Stücktitel | 45 |
| | Personenverzeichnis | 46 |
| | I. Aufzug | 47 |
| | II. Aufzug | 57 |
| | III. Aufzug | 62 |
| | IV. Aufzug | 74 |
| | V. Aufzug | 81 |
| 4 | <i>Gedanken und Probleme</i> | 89 |
| 4.1 | Zur Forschungssituation | 89 |
| 4.2 | Geschichte | 96 |
| 4.2.1 | Die historische Situation in „Maria Stuart“ | 98 |
| 4.2.2 | Veränderungen | 100 |
| 4.2.3 | Defizite | 102 |
| 4.2.4 | Abstraktion von der Geschichte: Individuum und Gesellschaft .. | 105 |
| 4.3 | Frauen und Männer | 107 |
| 4.4 | Selbstbestimmung und Schein | 112 |
| 4.5 | Dramatische Form und Sprache | 119 |
| 5 | <i>Zur Theatergeschichte des Werkes</i> | 124 |
| 6 | <i>Literaturverzeichnis</i> | 133 |